इमानुएल कांट के सौंदर्यात्मक निर्णय में निष्काम आनंद के सिद्धांत का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। सौंदर्यानुभूति की व्याख्या में इसकी शक्तियों और सीमाओं पर चर्चा कीजिए।

7. Discuss Ananda Coomaraswamy's critique of mimesis and his conception of art as a transformation of nature. How does his view redefine the purpose and function of art?

आनंद कुमारस्वामी द्वारा अनुकरणवाद की आलोचना तथा कला को प्रकृति के रूपांतरण के रूप में देखने की अवधारणा का विश्लेषण कीजिए। उनका दृष्टिकोण कला के उद्देश्य और कार्य को किस प्रकार पुनर्परिभाषित करता है?

8. Explicate and critically evaluate Sri Aurobindo's theory of art as an expression of higher consciousness. In what ways does this perspective integrate aesthetic, spiritual, and intuitive dimensions of art?

श्री अरविंद के इस सिद्धांत की व्याख्या और समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए जिसमें कला को उच्चतर चेतना की अभिव्यक्ति माना गया है। यह दृष्टिकोण कला के सौंदर्यात्मक, आध्यात्मिक और अंतर्जनात्मक आयामों को किस प्रकार समाहित करता है?

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2580 **L**

Unique Paper Code : 2103200008

Name of the Paper : Aesthetics: Indian and Western Perspectives

Name of the Course : **DSE**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **5** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Critically examine S. K. Saxena's reconstruction of the Rasa theory as a mode of aesthetic experience. How far does it succeed in bridging classical Indian aesthetics with modern aesthetic theory?

   एस. के. सक्सेना द्वारा रस-सिद्धांत को सौंदर्यानुभूति के रूप में पुनर्निर्मित करने की समालोचनात्मक समीक्षा कीजिए। यह शास्त्रीय भारतीय सौंदर्यशास्त्र और आधुनिक सौंदर्य-चिंतन के बीच सेतु स्थापित करने में किस सीमा तक सफल है?

2. Analyze Shyamala Gupta's conception of creativity as constitutive of art. Discuss its implications for understanding the relationship between art, beauty, and artistic production.

   श्यामला गुप्ता के अनुसार सृजनशीलता कला का मूल तत्त्व है-इस अवधारणा का विश्लेषण कीजिए। कला, सौंदर्य और कलात्मक सृजन के पारस्परिक संबंध को समझने में इसके निहितार्थों पर चर्चा कीजिए।

3. Critically explain Paul Valery's central argument in his essay "The Idea of Art."

   पॉल वैलेरी के निबंध "कला की अवधारणा" के केंद्रीय तर्क का समालोचनात्मक विवेचन कीजिए।

4. Expound and critically assess Susanne K. Langer's theory of art as presentational symbolism. In what sense is art a "form of feeling" rather than mere representation?

   सुसान के. लैंगर के प्रस्तुतिक प्रतीकवाद के सिद्धांत का विवेचन एवं समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। किस अर्थ में कला मात्र अनुकरण न होकर "भाव का रूप" है?

5. Examine M. Hiriyanna's account of aesthetic experience with special reference to the problem of universality in Rasa. How does he address the subjective-objective tension in aesthetic enjoyment?

   एम. हिरियन्ना के दिशा सबधी विचारों का परीक्षण कीजिए, विशेषत: रस की सार्वभौमिकता की समस्या के संदर्भ में। वे सौंदर्यात्मक आस्वाद में व्यक्तिपरक और वस्तुपरक के बीच तनाव को कैसे स्पष्ट करते हैं?

6. Critically analyze Immanuel Kant's theory of disinterested pleasure in aesthetic judgment. Discuss its strengths and limitations in explaining aesthetic experience.